पंचांग-मार्च -2019

दिशाशूल

दिशाशूल दिशाशूल पूरब दिशा सोमवार शनिवार पश्चिम दिशा रविवार शुक्रवार दक्षिण दिशा गुरुवार उत्तर दिशा मंगलवार बुधवार दिशाओं के सामने दिए गए बहारों में उत्तर दिशा में दिशाशूल होता है उसे दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए रविवार गुरुवार शुक्रवार के दोष रात्रि में प्रभावित नहीं होते हैं बुधवार को तो हर प्रकार से त्याज्य हैं अत्यावश्यक होने पर रविवार को पान याचिका पर सोमवार को दर्पण देखकर या दूध पीकर मंगलवार को गुड़ खाकर बुधवार को धनिया तेल खाकर गुरुवार को जीरा या दही खाकर शुक्रवार को दही पीकर शनिवार को अदरक उड़द खाकर प्रस्थान किया जा सकता है यही एक दिन में गंतव्य स्थान पर पहुंचना और फिर वापस आना हो तो दिशाशूल विचार की आवश्यकता नहीं होती

स्वयं सिद्ध मुहूर्त

स्वयं सिद्ध मुहूर्त चैत्र शुक्ल प्रतिपदा वैशाख शुक्ल तृतीया अक्षय तृतीया अश्विन शुक्ल दशमी विजयदशमी दीपावली के प्रदोष काल का आधा भाग भारत में से इसके अतिरिक्त लोकाचार और देश आचार्य के अनुसार निम्नलिखित कृतियों को भी स्वयं सिद्ध मुहूर्त माना जाता है बडावली नामी देव प्रबोधिनी एकादशी बसंत पंचमी फुलेरा दूज इन में से किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांग शुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं है परंतु विवाह आदि में तो पंचांग में दिए गए मुहूर्त व कार्य करना श्रेष्ठ रहता है।

अभिजीत मुहूर्त

अभिजीत मुहूर्त प्रत्येक दिन का मध्यम भाग अनुमान त; है 12:00 बजे अभिजीत मुहूर्त कहलाता है जो मध्यम काल से पहले और बाद में दो घड़ी उतार 48 मिनट का होता है दिन मान के आधे समय को स्थानीय सूर्योदय के समय में जोड़ दें तो मध्यम काल स्पष्ट हो जाता है जिसमें 24 मिनट घटाने और चाबी ने 24 मिनट बढ़ाने पर अभिजीत का प्रारंभ काल और समाप्ति काल निकल आता है इस अभिजीत काल में लगभग सभी दोषों के निवारण करने की अद्भुत शक्ति है जब मुंडन आदि शुभ कार्यों के लिए शुभ लगन में ना मिल रहा हो तो अभिजीत मुहूर्त काल में शुभ कार्य करने का किए जा सकते हैं|

दैनिक शुभ अशुभ समय

दैनिक शुभ अशुभ समय प्रतिदिन अशोक काल में शुभ कार्य न करें बल्कि शुभ काल में अपने कार्य करना चाहिए जैसे राहु काल में कोई शुभ यात्रा कोई व्यापार करें।

मूल विचार मार्च -2019

दिनांक 9 को दिनांक 8 को 23-15 से दिनांक 11 को 2-56 तक दिनांक 18 को 00-10 से दिनांक 19 को 19-04 तक दिनांक 26 को 7:14 से दिनांक 28 को 10:09 तक गंड मूल नक्षत्र है

ग्रह स्थिति मार्च -2019

दिनांक 5 को बुध वक्री, दिनांक 6 को राहु मिथुन में, दिनांक 6 को केतु धनु में, दिनांक 8 को बुध पश्चिमअस्त, दिनांक 14 को सूर्य मीन में, दिनांक 15 बुध कुंभ में, दिनांक 21 शुक्र कुंभ में, दिनांक 22 मंगल वृषभ में, दिनांक 22 बुधोदय पूर्व में, दिनांक 28 बुध मार्गी, दिनांक 29 गुरु धनु में|

पंचक विचार

पंचक विचार दिनांक 5 को 1:43 से दिनांक 10 को 1:17 तक पंचक विचार है|

भारतीय व्रत उत्सव मार्च -2019

भारतीय व्रत उत्सव - 2 तारीख विजय एकादशी व्रत दिनांक 3 प्रदोष व्रत दिनांक 4 महाशिवरात्रि व्रत दिनांक 6 अमावस्या पुणे दिनांक आठ श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती फुलेरा दूज दिनांक 10 विनायक चतुर्थी व्रत दिनांक 14 होलाष्टक प्रारंभ दुर्गा अष्टमी दिनांक 15 संक्रान्ति पुण्य, 17 खाटूश्यामजी मेला,आमला एकादशी,18 गोविन्द द्वादशी, सोम प्रदोष व्रत,20 होलिका दहन 20:58 के बाद,सत्य व्रत,पूर्णिमा, 21 श्री चैतन्य महाप्रभु जयंती, वसंत उत्सव होला मेला आनंद साहब,रंग होली , दिनांक 24 को श्री गणेश चतुर्थी व्रत दिनांक 23 को रंग पंचमी दिनांक 26 को एकनाथ षष्टि दिनांक 27 को शीतला सप्तमी दिनांक 28 को कालाष्टमी दिनांक 31 को पापमोचनी एकादशी व्रत |

सूर्य उदय सूर्य अस्त मार्च -2019

सूर्य उदय- दिनांक 1 को 6:50 तक दिनांक 5 को 6:46 दिनांक 10 को 6:40 दिनांक 15 को 6:35 20 को 6:29 दिनांक 25 को 6:23 दिनांक 30 को 6:17

सूर्य अस्त- दिनांक 1 को 18:17 दिनांक 5 को 18:20 दिनांक 10 को 18:23 दिनांक 15 को 28 को 28 को 8:39

भद्रा विचार

दिनांक 1 को 8-39, दिनांक 4 कों 16:28 से 5:00 बजे तक दिनांक दिनांक 11 को 4:07 तक दिनांक 14 को 4:30 से 15:52 तक दिनांक 17 को 10:12 से 20:51 तक दिनांक 20 को 10:44 से 20:58 तक दिनांक 23 को 11:40 से 22:30 तक दिनांक 26 को 20:02 से 27 को 8:30 तक दिनांक 31 को 3:22 तक भद्रा है

सर्वार्थ सिद्धि योग

सर्वार्थ सिद्धि योग 3 मार्च 6:48 से 3 मार्च 8:58 तक 4 मार्च 6:47 से 4 मार्च 12:09 तक 8 मार्च 23:15 से 9 मार्च 6:42 तक 10 मार्च 6:40 से 11 मार्च 2:56 तक 12 मार्च 6:28 से 13 मार्च 2:52 तक 13 मार्च 6:37 से 14 मार्च 6:36 तक 16 मार्च 3:43 से 16 मार्च 6:34 तक 17 मार्च 1:30 से 18 मार्च 0010 तक 23 मार्च रात 9:04 से 24 मार्च 6:24 तक 23 मार्च 23 मार्च 7:02 से 26 मार्च 6:22 तक 30 मार्च 19:36 से 31 मार्च 6:16।

शुभ विवाह मुहूर्तमार्च -2019

शुभ विवाह मुहूर्त दिनांक 7 दिनांक 8 दिनांक 9 दिनांक 10 दिनांक 13।

चौघड़िया मुहूर्त

चौघड़िया मुहूर्त प्रत्येक वार सूर्योदय से प्रारंभ होकर अगले सूर्य उदय तक रहता है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक का मान उस बार का दिन मान एवं सूर्य अस्त से सूर्योदय तक माणुस वार का रात्रि मान कहलाता है 24 घंटे में दिनमान घटाने से रात्रि माना जाता है अब आपको जिस दिन यात्रा करनी है उस दिन का दिन मान देख लें उसमें 8 से भाग देकर जो बचे उसे घंटा मिनट पर बनाकर उस दिन के सूर्योदय में जोड़ते हुए उस दिन को आठों चौघड़िया मुहूर्त समय ज्ञात कर ले अभी ना चौघड़िया में से कौन सी ग्रह और कौन सी जगह है वह दिन की चौघड़िया के चक्कर में उस दिन के बाद के सामने के खाने में देखकर जानिए इसी प्रकार जिस दिन रात्रि में यात्रा करनी हो तो उस दिन के रात्रि में आठवें को घटा घंटा बनाकर उस दिन के सूर्यास्त में जोड़कर रात को आटो चौघड़िया मुहूर्त निकालने और इनका शुभ अशुभ फल रात को चौघड़िया चक्कर में देख लें एवं उत्तम समय शुभ लाभ चौघड़िया का है एक रोग कालका है इन्हें त्याग देना चाहिए।

राहुकाल

रविवार -सायं-- 16:30 से 18:00 बजे तक
राहुकाल

रविवार -सायं-- 16:30 से 18:00 बजे तक
सोमवार - प्रातः-- 7:30 से 9:00 बजे तक
मंगलवार - दोपहर-- 15:00 से 16:30 तक
बुधवार - दोपहर-- 12:00 से 13:30 तक
गुरुवार - दोपहर-- 13:30 से 15:00 बजे तक
शुक्रवार - प्रातः-- 10:30 से 12:00 बजे तक
शनिवार - प्रातः-- 9:00 बजे से 10:30 बजे तक

नोट - वस्तुतः यह राहुकाल दक्षिण भारत की देन है|दक्षिण भारत में राहु काल में शुभ कार्य शुरू करना अच्छा नहीं माना जाता| राहु काल में शुभकार्यओं में वर्जित करने की परंपरा अब अपने उतर भारत में भी अपनाने लगे हैं राहुकाल प्रतिदिन एक घंटा 30 मिनट का होता है

कृपया अगर कुछ ना समझ आ रहा हो तो सम्पर्क करे-सतीश शर्मा(जन्म कुंडली विशेषज्ञ -9312002527

वर वधू हेतु

वायो डाटा, इ- मेल करे

jankarikal@gmail.com

ये सेवा निःशुल्क है।

संपादक

जानकारी काल

www.jaankaarikaal.com

9560518227

सतीश शर्मा
(जन्म कुंडली व हस्त रेखा विशेषज्ञ)

9312002527,9560518227